

## प्रेस रिलीज़

24 सितंबर 2021

### असम प्रदर्शनकारियों पर पुलिस फायरिंग की पॉपुलर फ्रंट ने की निंदा; पुलिस के खिलाफ कार्यवाही और अमानवीय बेदखली अभियान पर तत्काल रोक लगाने की मांग

नई दिल्ली: पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के चेयरमैन ओ एम ए सलाम ने अपने एक हालिया बयान में असम में जारी जबरन बेदखली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे निहत्थे प्रदर्शनकारियों की हत्या और उन पर पुलिस के अत्याचार की निंदा की है।

ओ एम ए सलाम ने कहा कि "आज असम से आने वाले वीडियो देखकर रोंगटे खड़े हो गए हैं। पुलिस को देखा गया कि वे महिलाओं और बच्चों सहित हजारों लोगों पर बिना किसी चेतावनी के अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे हैं। एक व्यक्ति जो पुलिस के बीच फंस गया उसे बेदर्दी से पीट-पीटकर मार दिया गया, यहां तक कि इस बर्बरता में मीडियाकर्मियों को भी शामिल देखा गया। खबरों से पता चलता है कि मरने वालों की असल संख्या कहीं ज्यादा हो सकती है। मारे गए तीन लोगों में से एक शायद नाबालिग है।"

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले असम के अधिकारियों ने अवैध कब्जे का आरोप लगाकर बिना किसी पुनर्वास योजना के लगभग 4500 गरीब बेसहारा लोगों को उनके घरों से बेदखल कर दिया था। सरकार की इस कार्यवाही के खिलाफ अदालत में अभी मामला चल ही रहा था कि लगभग 800 परिवारों को भारी बारिश में सड़कों पर फेंक दिया गया और उनके घरों को तबाह कर दिया गया।

ओ एम ए सलाम ने आगे कहा कि यह उस नस्ली नफरत का एक नया अध्याय है जिसे राज्य के बंगाली बोलने वाले मुसलमानों के खिलाफ खोला गया है। असम की बीजेपी सरकार की सांप्रदायिक विभाजनकारी नीतियां हालात के इस हद तक बढ़ जाने का एकमात्र कारण हैं। मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा जातीय व सांप्रदायिक अभियान के द्वारा अपनी राजनीतिक बिसात को मजबूत करने में लगे हैं।

"यह बेदखली अभियान अमानवीय है। पॉपुलर फ्रंट न्यायपालिका से मांग करता है कि वह हस्तक्षेप करते हुए इस बेदखली पर तत्काल रोक लगाए और जिन लोगों को उनके घरों से निकाला गया है उनके पुनर्वास को सुनिश्चित बनाए। पुलिस फायरिंग से पीड़ित लोगों को उचित मुआवजा देने के लिए कदम उठाए जाएं। साथ ही पॉपुलर फ्रंट पुलिस के अत्याचार की न्यायिक जांच और हत्या के जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही की भी मांग करता है।

डायरेक्टर, मीडिया एवं जनसंपर्क  
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया,  
नई दिल्ली